Dated 27/04/2020 B.ed 1st Year 2019-2021 Teaching of Home Science Time 11:15 To 12:00

प्रश्न - दैनिक जीवन में नीतियां

नीतियाँ क्या है?

नीतियाँ हमें हमारे नैतिक कर्तव्यों के विषय में बताती है ताकि हमारा व्यवहार घर व कार्यक्षेत्र दोनों जगह सही, विश्वसनीय व न्यायप्रिय हो। नीतियाँ नियम व मानकों का समूह है जिनकी किसी भी व्यक्ति से एक संतोषजनक पारिवारिक जीवन निभाने और एक अच्छे कार्यकर्ता बनने के लिए अपेक्षा की जाती है। अतः घर व बाहर आपको नीतियों की आवश्यकता होती है। निम्नलिखित आदतों में आप नीतिगत व्यवहार देख सकते हैं जो आपके व्यवहार में परिलक्षित होते हैं।

1. वफादारी व ईमानदारी।
2. सत्यवादिता।
3. आत्मसम्मान।
4. अन्य लोगों का सम्मान।
5. समय का आदर।
6. कार्य के प्रति सम्मान।
7. अपने पर्यावरण का सम्मान।

हमारे जीवन की इन नीतियों के अतिरिक्त हमारा कार्य क्षेत्र भी हमसे कुछ विशिष्ट नीतियों की अपेक्षा रखता है। ये है:-

1. नियमितता।
2. समय की पाबंदी।
3. गोपनीयता।

Scanned with CamScanner

4. विश्वासपात्रता।
5. अपने सहकर्मियों मित्रतापूर्व संबंध रखना।
6. नयी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना।
7. नयी जिम्मेदारियों को सीखने की इच्छा रखना।

नीतियों की आवश्यकता

आइये देखें कि अच्छी नीतियों का होना क्यों आवश्यक है, और किस प्रकार वे हमारे आपसी संबंधों और कार्यकुशलता को प्रभावित करती हैं। घर व दफ्तर में किसी भी कार्य स्थिति के तीन घटक होते हैं कार्य कार्यकर्ता व कार्य स्थल -

1. काम ही वास्तविक कार्य है जो किया जाना है।
2. कार्य करने वाला वह व्यक्ति है जो कार्य करता है।
3. कार्यस्थल वह है जहाँ पर कार्य किया जाता है जहाँ पर कार्य के लिए आवश्यक औजार व उपकरण रखे जाते हैं व उनके भंडारण के लिये आवश्यक स्थान होता है।

आप सहमत होंगे कि ये तीनों घटक आपस में संबंधित हैं व एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। इसके अतिरिक्त आप यह भी मानेंगे कि हर स्थिति में कार्य करने वाला ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है। ऐसा इसलिये है कि केवल कार्यकर्ता में सोचने की, विश्लेषण करने की, सीखने व आवश्यक बदल सकने की क्षमता होती है। एक कार्यकर्ता अपने व अपने आस-पास के कार्यकर्ताओं के प्रभावशाली प्रबंधन की कला सीख सकता है। वह आलसी, गैर जिम्मेदार व अपने कार्यस्थल का कुप्रबंधक भी हो सकता और फलतः अपने व्यापार को हानि पहुंचा सकता है। ~~आपके इस पाठ के प्रारंभ में दिये गये~~

इस प्रकार अपने उद्देश्यों की सफलता प्राप्ति के लिये, हमारे संसाधनों के प्रभावशाली उपयोग के लिए व घर व कार्यस्थल पर अनुशासन बनाये रखने के लिये हमें कुछ विशिष्ट कार्य नीतियों को विकसित करने की आवश्यकता होती है, इन कार्य नीतियों के कारण हम किसी भी कार्य को अपनी क्षमतानुसार साफ, न्यायपूर्ण व पक्षपात रहित तरीके से कर सकते हैं। ये नीतियाँ हमें सौहार्दपूर्ण कार्य का वातावरण विकसित करने के लिये उत्साहित करती हैं, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे के सहारे और भरोसे का आनंद उठा सकता है।

दैनिक जीवन में नीतियाँ

अब तक हमने कार्य नीतियों व उनके महत्व के विषय में पढ़ा, आइये, अब आमतौर पर किसी कार्यस्थल पर सामने आने वाली कुछ नीतिगत समस्याओं के विषय में विस्तार से जाने, ~~जहाँ कर्मचारी~~ —

1. अनियमित और समय का पाबंद नहीं होते।
2. रूखे व कटु होते हैं।
3. अपर्याप्त ज्ञान रखते हैं।
4. संसाधनों का अपव्यय करते हैं।
5. नियमित व कानून की धज्जियां उड़ाते हैं।
6. अपने कार्य का आदर नहीं करते हैं।
7. वफादार नहीं होते हैं।

नीतियों की संहिता

पिछले भाग में वर्णित अधिकांश समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है। ऐसी सूची जिसमें कुछ नियमों, मानकों और सिद्धांतों का स्पष्ट वर्णन हो, जो घर और सार्वजनिक स्थानों पर हमारे व्यवहार का मार्गदर्शन करें, नीतियों की संहिता कहलाती है।

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित कार्यनीतियों की संहिता हम सभी को समझने के लिए तथा कार्य और घर पर कड़ाई से पालन के लिये दी गई है।-

1. कार्य और घर पर नियमित और सामयिक रहें।
2. स्वयं के लिये निर्धारित कार्य को पूरा करें।
3. सबके प्रति शिष्ट, धैर्यवान, विनम्र और आदरपूर्ण रहें।
4. स्वयं के लिये निर्दिष्ट कार्य के लिये आवश्यक ज्ञान व कौशल को हासिल करें।
5. सीखने और जानकारी प्राप्त करने के लिये स्वयं को तैयार रखें।
6. अपने कार्य को पूरा करने के लिये अधिक और कारगर उपायों को ढूँढें।
7. अपने संसाधनों का प्रबंधन और प्रयोग दक्षता से करें। संसाधनों को बर्बाद न करें।
8. अपने कार्य के नियमों, नीतियों और प्रक्रमों का कड़ाई से और समान रूप से पालन करें।
9. अपना कर्तव्य करते समय पक्षपात और भेदभाव न करें। सभी को एक समान समझें।
10. सभी प्रकार के कार्यों के प्रति आदरभाव रखें।
11. ऐसे अनुग्रहों को स्वीकार न करें जो आपके कार्य निष्पादन पर नकारात्मक असर डालते हों।
12. अपने कार्य व संस्था के प्रति ईमानदार रहें।
13. जहाँ पर आपका भ्रष्टाचार से सामना हो प्रकट करें।

नैतिक मानकों का हार बढ़ाना।

दैनिक जीवन में लोगों का नैतिक स्तर ऊँचा उठाने के लिये आप क्या सुझाव दे सकते हैं? अच्छा, नीचे दिए गए सुझावों को पढ़िए और देखिए यदि आप इनसे सहमत हैं

1. सार्वजनिक तौर पर प्रकट और प्रचार -
अनैतिक और भ्रष्ट कर्मचारियों को उनके कार्यों के प्रति

जिम्मेदार ठहराना चाहिए। ऐसे गैर-जिम्मेदार लोगों का पर्दाफाश होना चाहिए और उन्हें उचित सजा मिलनी चाहिए। उनके कुछ विशेषाधिकार और सुविधाओं का वापस लिया जाना उन्हें सुधरने के लिए मजबूर कर सकता है। परिवार के सदस्यों और साथियों के समक्ष उनके गलत कारनामों का आना उनके लिए सामाजिक शर्मिंदगी बन सकता है। यह अन्य लोगों के लिए भी चेतावनी का काम करेगा।

2. नीति संहिता बनाना।

नीतियों का स्पष्ट निर्धारण और उनका कड़ाई से पालन करना बहुत आवश्यक है क्योंकि नीति निर्धारण से लोगों को हमारी अपेक्षाएं स्पष्ट ज्ञात होती हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी संगठन के ऑफिस नोटिस बोर्ड पर नीति संहिता का विवरण लिखा हो तो उसके कर्मचारी उनका अनुसरण भली भाँति कर सकते हैं। इस प्रकार कर्मचारी नीतिगत अवधारणाओं को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकते हैं।

3. स्कूल व कॉलेजों में नीति और मूल्य शिक्षा –

अब तक किसी भी कर्मचारी द्वारा नैतिक शिक्षा स्वयं ही अनुभव द्वारा व एक दूसरे के ~~मार्गदर्शन~~ मार्गदर्शन से ही सीखे जाने की अपेक्षा की जाती थी। आज के तीव्र प्रतिस्पर्धा, चुनौती भरे और बदलते वातावरण में यह अति महत्वपूर्ण हो गया है कि प्रत्येक व्यक्ति पूर्णतया प्रशिक्षित व दक्ष हो तभी हम अच्छी तरह कार्यों का निष्पादन कर सकते हैं और अपने जीवन में प्रगति की अपेक्षा कर सकते हैं। अतः नैतिक मूल्यों व नीतियों की शिक्षा प्रारम्भ से ही हमारे जीवन का हिस्सा बननी चाहिए। इस प्रकार अनुशासित नागरिकों का विकास होगा और स्वच्छ शहर का निर्माण होगा।

Scanned with CamScanner

प्रारम्भक आप से ही सीखने का अर्थ है, मूल्यों को आदतों में ढालना। और आप भी जानते ही हैं कि पुरानी आदते देर से ही जाती है। इस पाठ को पढ़ने के पश्चात क्या आपने नीतियों व नीतियों को व्यवहारगत करने के विषय में जान लिया है? क्या आप नहीं सोचते कि अपने व्यक्तिगत व व्यावसायिक जीवन में सुधार लाने के लिये हमें नीति संहिता का अनुसरण करना चाहिए। -

HARVESH CHANDRA
ASSISTANT PROFESSOR
SHRI RAM INSTITUTE OF EDUCATION SARAKTHAL
MADHO DHAMPUR BIJNOR UTTAR PRADESH.
DATED - 27/04/2020